सोमवती अमावस्या व्रत कथा | Somvati Amavasya Vrat Katha

Somvati Amavasya Vrat Katha

सोमवती अमावस्या व्रत कथा

एक गरीब ब्रह्मण परिवार था, जिसमे पति, पत्नी के अलावा एक पुत्री भी थी। पुत्री धीरे धीरे बड़ी होने लगी। उस लड़की में समय के साथ सभी स्त्रियोचित गुणों का विकास हो रहा था। लड़की सुन्दर, संस्कारवान एवं गुणवान भी थी, लेकिन गरीब होने के कारण उसका विवाह नहीं हो पा रहा था। एक दिन ब्रह्मण के घर एक साधू पधारे, जो कि कन्या के सेवाभाव से काफी प्रसन्न हुए। कन्या को लम्बी आयु का आशीर्वाद देते हुए साधू ने कहा की कन्या के हथेली में विवाह योग्य रेखा नहीं है। ब्राह्मण दम्पति ने साधू से उपाय पूछा कि कन्या ऐसा क्या करे की उसके हाथ में विवाह योग बन जाए। साधू ने कुछ देर विचार करने के बाद अपनी अंतर्दृष्टि से ध्यान करके बताया कि कुछ दूरी पर एक गाँव में सोना नाम की धूबी जाती की एक महिला अपने बेटे और बहू के साथ रहती है, जो की बहुत ही आचार- विचार और संस्कार संपन्न तथा पति परायण है। यदि यह कन्या उसकी सेवा करे और वह महिला इसकी शादी में अपने मांग का सिन्दूर लगा दे, उसके बाद इस कन्या का विवाह हो तो इस कन्या का वैधव्य योग मिट सकता है। साधू ने यह भी बताया कि वह महिला कहीं आती जाती नहीं है। यह बात सुनकर ब्रह्मणि ने अपनी बेटी से धोबिन कि सेवा करने कि बात कही।

कन्या तडके ही उठ कर सोना धोबिन के घर जाकर, सफाई और अन्य सारे करके अपने घर वापस आ जाती। सोना धोबिन अपनी बहू से पूछती है कि तुम तो तडके ही उठकर सारे काम कर लेती हो और पता भी नहीं चलता। बहू ने कहा कि माँजी मैंने तो सोचा कि आप ही सुबह उठकर सारे काम ख़ुद ही ख़तम कर लेती हैं। मैं तो देर से उठती हूँ। इस पर दोनों सास बहू निगरानी करने करने लगी कि कौन है जो तडके ही घर का सारा काम करके चला जाता हा। कई दिनों के बाद धोबिन ने देखा कि एक एक कन्या मुँह अंधेरे घर में आती है और सारे काम करने के बाद चली जाती है। जब वह जाने लगी तो सोना धोबिन उसके पैरों पर गिर पड़ी,

पूछने लगी कि आप कौन है और इस तरह छुपकर मेरे घर की चाकरी क्यों करती हैं। तब कन्या ने साधू द्बारा कही गई साड़ी बात बताई। सोना धोबिन पति परायण थी, उसमें तेज था। वह तैयार हो गई। सोना धोबिन के पति थोड़ा अस्वस्थ थे। उसमे अपनी बहू से अपने लौट आने तक घर पर ही रहने को कहा। सोना धोबिन ने जैसे ही अपने मांग का सिन्दूर कन्या की मांग में लगाया, उसके पति गया। उसे इस बात का पता चल गया। वह घर से निराजल ही चली थी, यह सोचकर की रास्ते में कहीं पीपल का पेड़ मिलेगा तो उसे भँवरी देकर और उसकी परिक्रमा करके ही जल ग्रहण करेगी। उस दिन सोमवती अमावस्या थी। ब्रह्मण के घर मिले पूए- पकवान की जगह उसने ईंट के टुकडों से १०८ बार भँवरी देकर १०८ बार पीपल के पेड़ की परिक्रमा की और उसके बाद जल ग्रहण किया। ऐसा करते ही उसके पति के मुर्दा शरीर में कम्पन होने लगा।

सोमवती अमावस्या के टोटके

सोमवती अमावस्या व्रत कथा

अमावस्या कब है

अमावस्या के दिन करने वाले उपाय/टोटके https://youtu.be/WpRyeh7OS10

How to do Somvati Amavasya Vrat Katha

सोमवती अमावस्या व्रत कथा का पाठ

To get the best result you should do Somvati Amavasya Vrat Katha (सोमवती अमावस्या व्रत कथा) in morning after taking bath and in front of Peepal Tree on Amavasya Tithi.

Benefits of Somvati Amavasya Vrat

Katha

सोमवती अमावस्या व्रत कथा के लाभ

According to Hindu Mythology doing Somvati Amavasya Vrat Katha on Somvati Amavasya Tithi is the most powerful way to please God and get his blessing.

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार सोमवती अमावस्या को सोमवती अमावस्या व्रत कथा करने से सोमवती अमावस्या बहुत प्रसन्न होती है और सभी मनोकामनाएं पूरी करती है।

Somvati Amavasya Vrat Katha in Tamil/Telgu/Gujrati/Marathi/English

Use Google Translator to get Somvati Amavasya Vrat Katha in language of your choice.
[wp-google-language-translator]

Download Somvati Amavasya Vrat Katha in Hindi PDF/MP3

सोमवती अमावस्या व्रत कथा हिंदी PDF डाउनलोड

निचे दिए गए लिंक पर क्लिक कर सोमवती अमावस्या व्रत कथा हिंदी PDF डाउनलोड करे.

By clicking below you can Free Download Somvati Amavasya Vrat Katha in PDF/MP3 format or also can Print it.